webstudycircle.com

नागेश्वर ज्योतिर्लिंग

यह ज्योतिर्लिंग गुजरात के द्वारिका में स्थित है। भगवान शिव का एक नाम नागेश्वर भी है। इस ज्योतिर्लिंग की महिमा में कहा गया है कि **जो व्यक्ति पूर्ण श्रद्धा और विश्वास के साथ यहां दर्शन के लिए आता है उसकी सभी मनोकामनाएं पूरी हो जाती हैं।**

WEB STUDY CIRCLE

webstudycircle.com

महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग

यह ज्योतिर्लिंग मध्य प्रदेश के उज्जैन में है। इसकी विशेषता है कि ये एकमात्र दक्षिणमुखी ज्योतिर्लिंग है। **यहां प्रतिदिन सुबह की जाने वाली भस्मारती विश्व भर में प्रसिद्ध है।** उज्जैन के लोग भगवान महाकाल को ही अपना राजा मानते हैं।

WEBSTUDYCIRCLE

webstudycircle.com

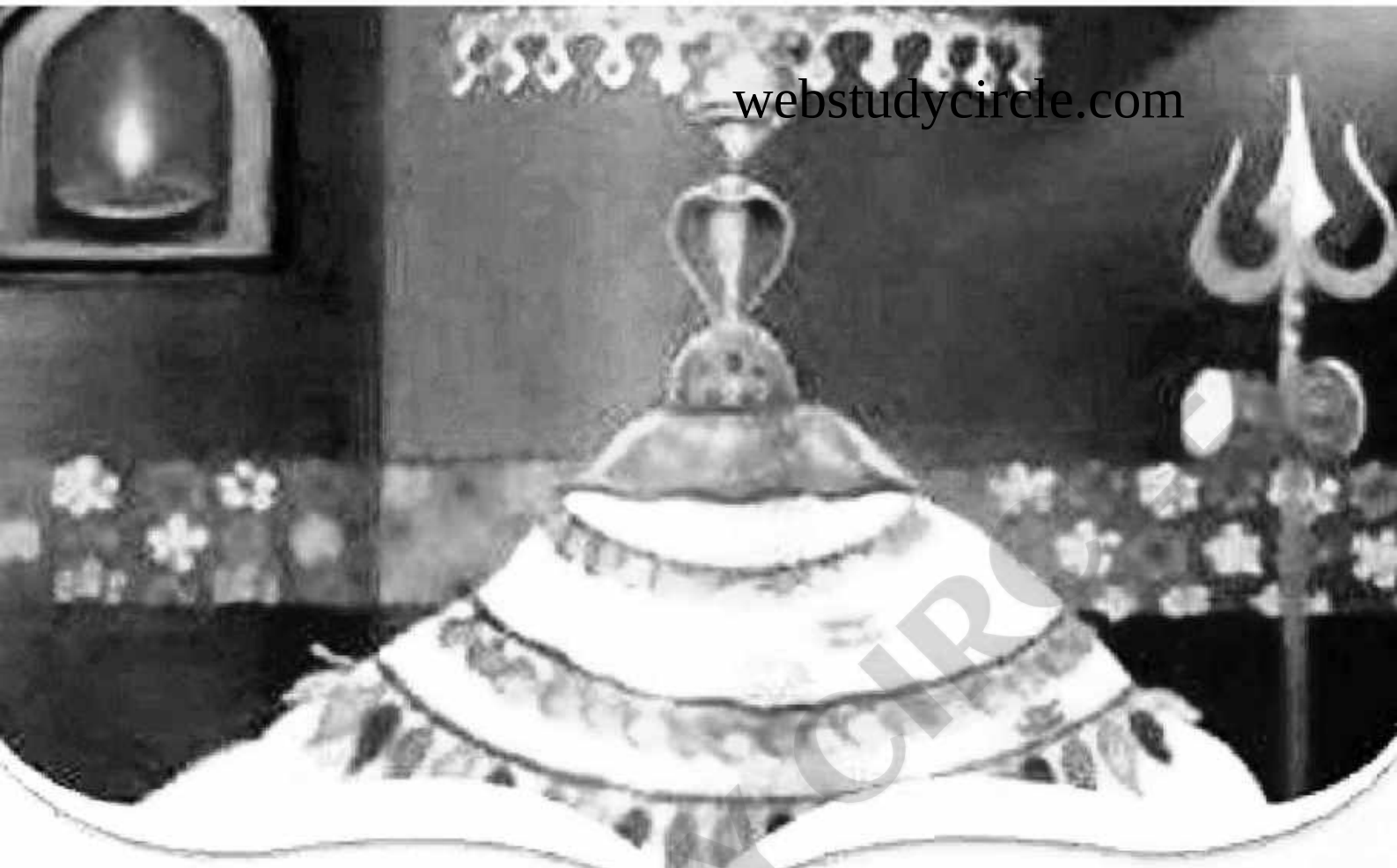

केदारनाथ ज्योतिर्लिंग

यह ज्योतिर्लिंग उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग जिले में स्थित है। इस ज्योतिर्लिंग का वर्णन स्कंद एवं शिवपुराण में भी मिलता है। **यह तीर्थ भगवान शिव को अत्यंत प्रिय है। जिस प्रकार कैलाश का महत्व है,** उसी प्रकार का महत्व शिवजी ने केदार क्षेत्र को भी दिया है।

WEB STUDY CIRCLE

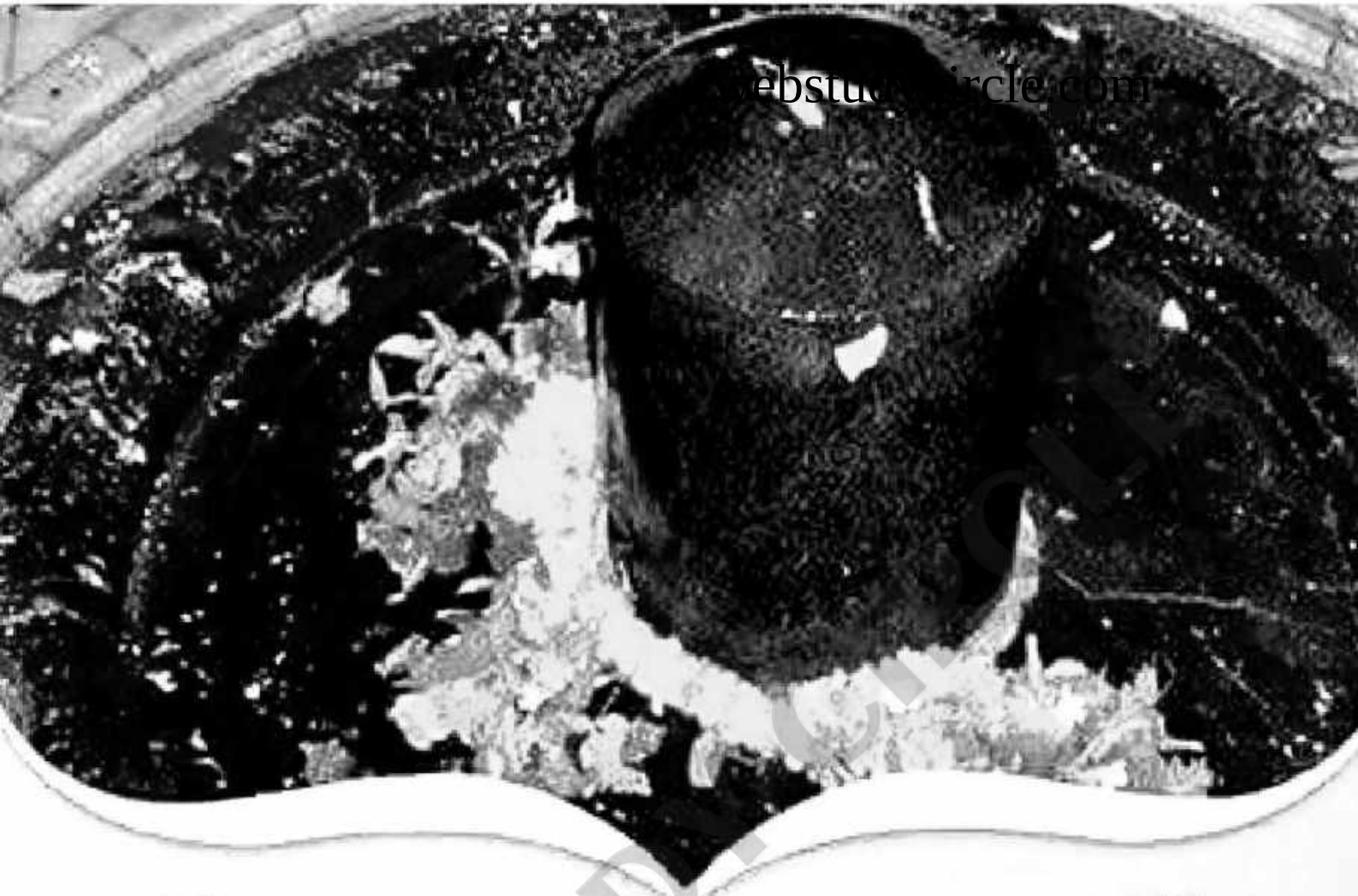

webstudycircle.com

वैद्यनाथ ज्योतिर्लिंग

वैद्यनाथ ज्योतिर्लिंग झारखंड के देवघर जिले में है। **धर्म ग्रंथों के अनुसार, इस ज्योतिर्लिंग की स्थापना रावण ने की थी।** जहां पर यह मंदिर स्थित है, उस स्थान को देवघर अर्थात देवताओं का घर कहते हैं। इस ज्योतिर्लिंग को कामना लिंग भी कहते हैं।

webstudycircle.com

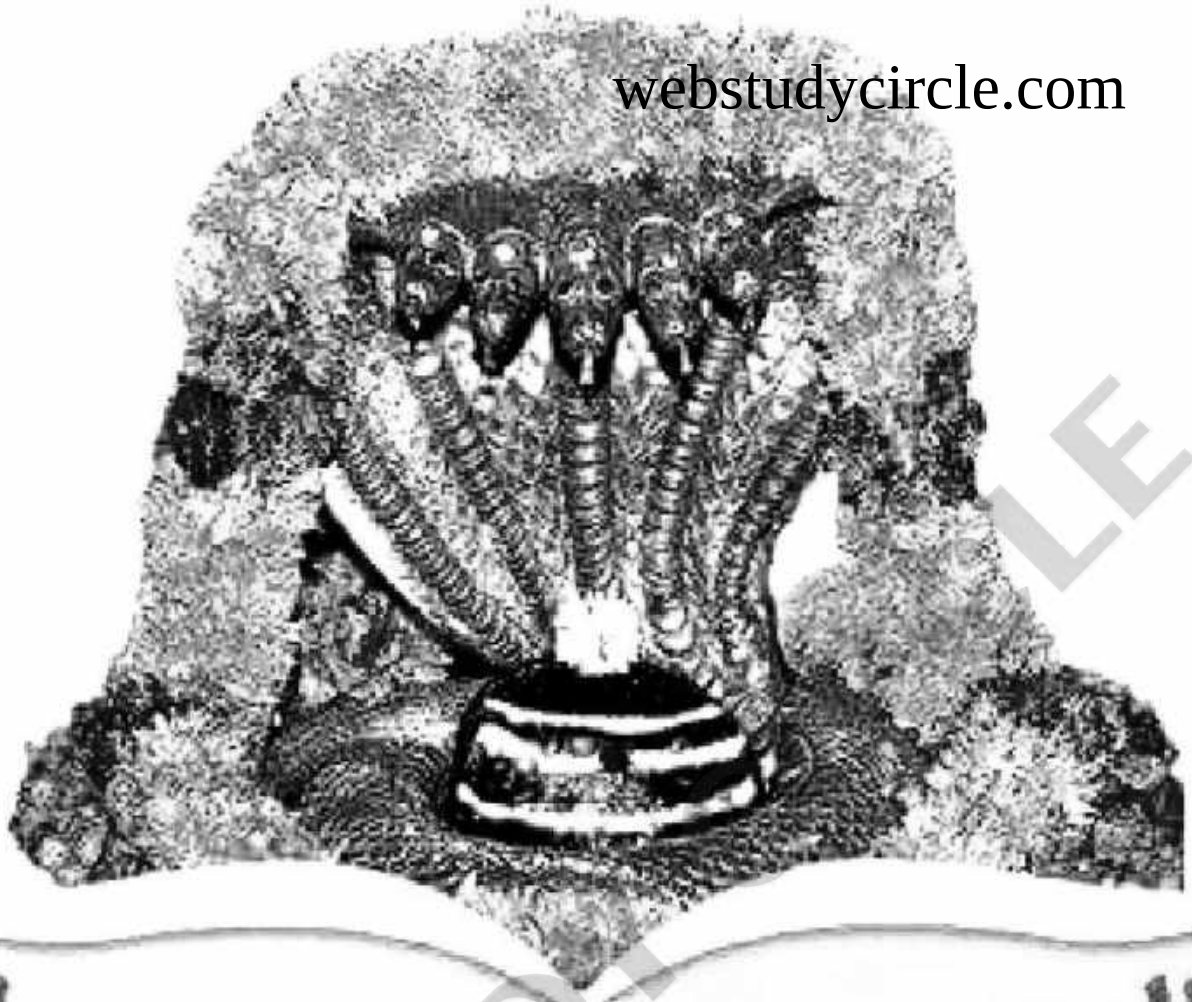

मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग

यह ज्योतिर्लिंग आन्ध्र प्रदेश में कृष्णा नदी के तट पर श्रीशैल नाम के पर्वत पर स्थित है। **इस मंदिर का महत्व भगवान शिव के कैलाश पर्वत के समान कहा गया है**। मान्यता है कि इस ज्योतिर्लिंग के दर्शन करने से पापों से मुक्ति मिलती है।

WEB STUDY CIRCLE

webstudycircle.com

|| घृष्णेश्वर ज्योतिर्लिंग ||

घृष्णेश्वर ज्योतिर्लिंग महाराष्ट्र के दौलताबाद में है। इसे घृसणेश्वर या घुश्मेश्वर के नाम से भी जाना जाता है। दूर-दूर से लोग यहां दर्शन के लिए आते हैं और आत्मिक शांति प्राप्त करते हैं। **भगवान शिव के 12 ज्योतिर्लिंगों में से यह अंतिम ज्योतिर्लिंग है।**

webstudycircle.com

ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग

यह ज्योतिर्लिंग मध्य प्रदेश के प्रसिद्ध शहर इंदौर के समीप है। जिस स्थान पर यह ज्योतिर्लिंग स्थित है, वहां नर्मदा नदी बहती है और **पहाड़ी के चारों ओर नदी बहने से यहां ऊं का आकार बनता है। इसीलिए इसे ओंकारेश्वर के नाम से जाना जाता है।**

WEBSTUDYCIRCLE

webstudycircle.com

सोमनाथ ज्योतिर्लिंग

सोमनाथ ज्योतिर्लिंग गुजरात के सौराष्ट्र क्षेत्र में स्थित है। मान्यता है, कि **जब चंद्रमा को दक्ष प्रजापति ने श्राप दिया था, तब चंद्रमा ने इसी स्थान पर तप कर श्राप से मुक्ति पाई थी।** विदेशी आक्रमणों के कारण इसका मंदिर का स्वरूप लगातार बदलता रहा है।

WEB STUDY CIRCLE

webstudycircle.com

भीमाशंकर ज्योतिर्लिंग

भीमाशंकर ज्योतिर्लिंग महाराष्ट्र के पूणे जिले में सह्याद्रि नामक पर्वत पर है। इसे मोटेश्वर महादेव के नाम से भी जाना जाता है। **मान्यता है जो भक्त प्रतिदिन सूर्य निकलने के बाद यहां के दर्शन करता है, उसके सभी पाप दूर हो जाते हैं।**

www.studycircle.com

|| रामेश्वरम ज्योतिर्लिंग ||

यह ज्योतिर्लिंग तमिलनाडु के रामनाथपुरं में स्थित हैं। 12 ज्योतिर्लिंगों के साथ यह स्थान हिंदुओं के चार धामों में से भी एक है। **मान्यता है कि इसकी स्थापना स्वयं भगवान श्रीराम ने की थी। इसलिए इसे रामेश्वरम ज्योतिर्लिंग कहते हैं।**

WEB STUDY CIRCLE

websutdycircle.com

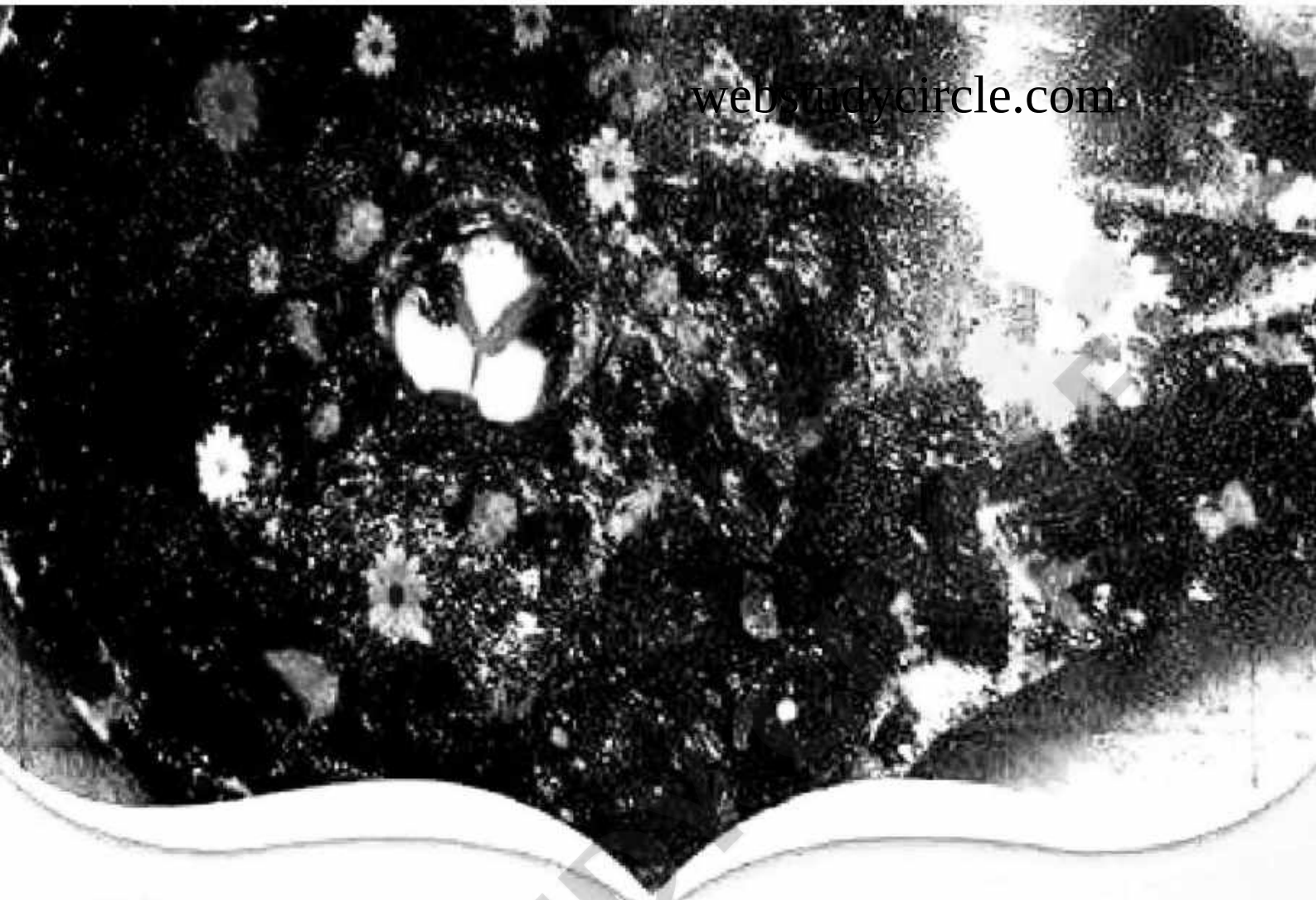

त्र्यंबकेश्वर ज्योतिर्लिंग

यह ज्योतिर्लिंग महाराष्ट्र के नासिक जिले में स्थित है। भगवान शिव का एक नाम त्र्यंबकेश्वर भी है। **कहा जाता है कि भगवान शिव को गौतम ऋषि और गोदावरी नदी के आग्रह पर यहां ज्योतिर्लिंग रूप में रहना पड़ा।**

webstudycircle.com

विश्वनाथ ज्योतिर्लिंग

यह ज्योतिर्लिंग उत्तर प्रदेश के काशी में है। काशी सभी धर्म स्थलों में सबसे अधिक महत्व रखती है। **मान्यता है कि प्रलय आने पर भगवान शिव इस स्थान को अपने त्रिशूल पर धारण कर लेंगे और प्रलय के बाद काशी को उसके स्थान पर रख देंगे।**